न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट, भरतपुर

(पीठासीन अधिकारीः बीना महावर, आर0ए0एस0)

पत्रावली संख्या : 12/2020 प्रार्थना पत्र (खा.सु.अ.)

केशव कुमार गोयल, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भरतपुर।

आवेदक

बनाम

शिशुपाल सिंह जाट पुत्र श्री हरचन्द उम्र 46 वर्ष निवासी ग्रा0 अधैयाखुर्द पो0 पैगोर, तह0 कुम्हेर (भरतपुर) (मालिक एवं दूध विक्रेता)

गैरसायल

प्रार्थना पत्र अंतर्गत धारा 26(2) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 एवं नियम 2011.

उपस्थित :– 1. प्रार्थी (सायल)

2. गैरसायल के अधिवक्ता श्री राजेन्द्र सिंह

निर्णय

दिनांक : 19.01.2021

आवेदक द्वारा यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 26(2) खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत विरूद्ध गैरसायल दिनांक 08.07.2020 को प्रस्तुत किया गया है। गैरसायल को नोटिस जारी किया गया। गैरसायल मय वकील दिनांक 06.08.2020 को उपरिथिति हुआ। इस्तगासा की नकल गैरसायल के वकील को दी गई। नियत दिनांक 19.01.2021 को गैरसायल के वकील को इस्तगासा में अंकित आरोप सुनाया गया कि दिनांक 21.10.2019 को प्रातः 10.00 बजे गैरसायल की दुकान का निरीक्षण किया गया। वक्त निरीक्षण

न्याय निर्णयन अधिकारी
अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
भरतपुर (राज.)

दुकान में प्लास्टिक के 200 लीटर करीब क्षमता वाले एक ड्रम में करीब 100 लीटर मिश्रित दूध का विक्रय आम जनता के इस्तेमाल के लिये कर रहा था। जिसमें शक होने पर नियमानुसार मौके पर 2 लीटर मिश्रित दूध 80/—रूपये में क्रय किया गया तथा उसमें से नमूना लिया गया तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, भरतपुर द्वारा खाद्य विश्लेषक अलवर के यहां जांच हेतु भिजवाया गया। खाद्य विश्लेषक की जांच रिपोर्ट संख्या एलएस/812/एक्ट/2019/790 दिनांक 12.12.2019 द्वारा उक्त मिश्रित दूध का नमूना अवमानक स्तर (Sub Standard) प्रकृति का पाया गया है। गैरसायल के द्वारा अवमानक स्तर मिश्रित दूध का आम जनता को विक्रय कर एफएसएस एक्ट 2006 की धारा 26(2)(ii) एवं नियम व विनियम 2011 का उल्लघंन किया गया है।

आरोपो को सुन व समझकर गैरसायल के वकील ने कथन किया कि यह प्रोडेक्ट मानव सेवन के लिये कतई हानिकारक नहीं है क्योकि प्रार्थी काफी समय से दूधियों से दूध लेकर दूध विक्रय करता चला आ रहा है। जांच में जो कमिया पायी गई है उन्हे सहवनवश एवं प्रथम गलती स्वरूप अप्रार्थी स्वीकार करता है। जिसका मेरे द्वारा तत्समय ही सुधार कर लिया गया है। गैरसायल की यह त्रुटि सहवन से होने के कारण आरोप को स्वीकार करता है। गैरसायल ने स्वयं को छोटे स्तर का व्यापारी होना बताया है। भविष्य में गैरसायल अधिक सजगता बरतते हुये किसी भी खाद्य पदार्थ का आम जनता के लिये विक्रय करेगा। गैरसायल की प्रथम गलती है। अतः गैरसायल के प्रति नरम रूख अपनाते हुए जुर्माना किये जाने की प्रार्थना की है।

हमने पत्रावली का अवलोकन किया। गैरसायल के कथनों पर गौर किया। वक्त निरीक्षण दिनांक 21.10.2019 को गैरसायल की दुकान से आमजनता के विक्रय हेतु संग्रहित 100 लीटर मिश्रित दूध का नमूना लिया गया है। जो खाद्य विश्लेषक अलवर की जांच रिपोर्ट दिनांक 12.12.2020 में अवमानक स्तर (Sub Standard) प्रकृति का पाया गया है। गैरसायल वकील के द्वारा दूधियों से दूध लेकर विक्रय करना बताया। गैरसायल के द्वारा भविष्य में अधिक सजगता से खाद्य पदार्थो का विक्रय किया जाना दौराने सुनवाई स्वीकार किया गया है। गैरसायल के व्यापार परिसर पर 100 लीटर मिश्रित दूध ही वक्त जांच संग्रहित पाया गया है। गैरसायल छोटे स्तर का व्यापारी नहीं हो सकता है क्योकि उसके पास मात्र 100 लीटर

न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
भरतपुर (राज.)

केशव कुमार गोयल बनाम शिशुपाल सिंह
प्रार्थना पत्र (खा.सु.) 12/2020

मिश्रित दूध ही व्यापार परिसर पर संग्रहित पाया गया है तथा दौराने निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने भी 2 लीटर 80/– रूपये में कय किया है। इससे स्पष्ट है कि व्यापार परिसर पर संग्रहित 100 लीटर की कीमत मात्र 8000/– रूपये होती है तथा इससे यह भी स्पष्ट होता है कि गैरसायल छोटे स्तर का व्यापारी नहीं है। ऐसी स्थिति में गैरसायल को भविष्य में इस प्रकार की अनियमितता नहीं करने की चेतावनी दी जाती है। गैरसायल के द्वारा उक्त अनियमितता प्रथम बार किया जाना स्वीकार किया गया है। अतः उक्त अधिनियम की धारा 51 के तहत गैरसायल के द्वारा की गई अनियमितता के आधार पर 20000/– रूपये (बीस हजार रूपये) अर्थदण्ड से दण्डित किया जाता है। गैरसायल अर्थदण्ड की राशि नियमानुसार राजकोष में जमा करावे। पत्रावली फैसल शुमार की जाकर बाद पूर्ति दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय आज दि. 19.01.2021 को सरे इजलास सुनाया गया।

(बीना महावर)
न्याय निर्णयन अधिकारी
एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर
भरतपुर (राज.)